परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय-3, रावतभाटा

प्रथम आवधिक प्रश्न-पत्र -2019-20

कक्षा-ग्यारहवीं समय- 90 मिनट

विषय – हिन्दी पूर्णांक- 50

प्रश्न.1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 12

मानव जीवन में आत्मसम्मान का अत्यधिक महत्त्व है। आत्मसम्मान में अपने व्यक्तित्व को अधिकाधिक सशक्त एवं प्रतिष्ठित बनाने की भावना निहित होती है। इससे साहस, शक्ति, उत्साह आदि गुणों का जन्म होता है जो जीवन की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। आत्मसम्मान की भावना से पूर्ण व्यक्ति संघर्षों की परवाह नहीं करता है और हर विषम परिस्थिति से टक्कर लेता है। ऐसे व्यक्ति जीवन में पराजित नहीं होते हैं और हमेशा सफलता प्राप्त करते हैं। आत्मसम्मानी व्यक्ति धर्म, नीति, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलता है। उसका जीवन सहज, स्वाभाविक और शांति से परिपूर्ण होता है। उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा बहुत अच्छी होती है। उसके प्रति लोगों की पूर्ण विश्वसनीयता होती है। उनमें सामाजिकता एवं परोपकार की भावना अत्यधिक होती है। ये व्यक्ति आचरणशील, नैतिक और मानवीय गुणों से परिपूर्ण होते हैं। ऐसे व्यक्ति दूसरे की आत्मसम्मान को ठेस नहीं पहुंचाते और ईष्या एवं द्वेष जैसी भावनाओं से मुक्त होकर समाज के लिए सृजनात्मक कार्य करते हैं। उनका समाज एवं देश हित में सकारात्मक रवैया होता है।

भ्रष्ट और स्वार्थी प्रवृति की प्रबलता बढ़ जाने पर आत्मसम्मान खत्म होता है। अक्सर अवसरवादी लोगों का आत्मसम्मान खत्म हो चूका होता है। ऐसे लोगों की नैतिकता और जवाबदेहिता खत्म हो चूकी होती है। इनकी मानवीयता का पतन हो चूका होता है। और तमाम तरह की नैतिक बुराइयाँ ग्रसित होते हैं। ऐसे लोग समाज एवं देश के चुनौती बन जाते हैं। स्वार्थी, अवसरवादी मानसिकता से ग्रसित ऐसे लोगों के कार्य अक्सर अनैतिक और मानवीय मूल्यों के विपरीत होते हैं। ऐसे में सामाजिकता और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए लोगों में आत्मसम्मान की भावना को बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी बन जाती है।

क. किस प्रकार के व्यक्ति सामाजिक चुनौती के कारण बन जाते हैं? 2

ख. आत्मसम्मान का मानव जीवन में क्या महत्व है? 2

ग. समाज के सन्दर्भ में आत्मसम्मानी व्यक्तियों की उपयोगिता को स्पष्ट करो। 2

घ. सृजनात्मक कार्यों से आप क्या समझते हैं? गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

ङ. जीवन की उन्नति का मार्ग कैसे प्रशस्त होगा? 2

च. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

छ. 'विध्वंश' , जटिलता शब्द का विलोम शब्द गद्यांश से छांटकर लिखिए। 1

प्रश्न-2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।6x1=6

जब तक साथ एक भी दम हो, हो अवशिष्ट एक भी धड़कन
रखो आत्म-गौरव से ऊँची पलकें, ऊँचा सिर, ऊँचा मन।
एक बूंद भी रक्त शेष हो, जब तक तन में शत्रुंजय।
दीन वचन मुख से न उचारो, मानो नहीं मृत्यु का भी भय।
निर्भय स्वागत करो मृत्यु का, मृत्यु एक है विश्राम-स्थल।
जीव जहाँ से फिर चलता है, धारण कर नव जीवन-सम्बल।
मृत्यु एक सरिता है, जिसमें श्रम से कातर जीव नहाकर।
फिर नूतन धारण करता है, काया-रूपी वस्त्र बहाकर।

क. कवि मृत्यु का स्वागत करने के लिए क्यों कहता है?

ख. इस कविता में किस प्रकार का जीवन जीने की प्रेरणा दी गई है?

ग. मृत्यु को सरिता क्यों गया है?

घ. 'शत्रुंजय' का क्या अर्थ है?

ङ. कविता का उचित शीर्षक लिखिए।

च. कविता का मूल भाव संक्षेप में लिखिए।

प्रश्न-6 किसी एक विषय पर आलेख लिखिए- 6

क. साम्प्रदायिक सद्भ्वाना

ख. राजनीतिक मूल्यों का पतन

ग. वर्तमान समाज में खत्म होती सामाजिकता

घ. स्त्री के प्रति संकीर्ण पुरुषवादी सोच

प्रश्न-4. सडकों पर आवारा पशुओं के चलते दिनोंदिन बढ़ती दुर्घटनाओं के प्रति नगरपालिका की अनदेखी के बारें में दैनिक भास्कर के सम्पादक को पत्र लिखिए। 6

अथवा

आपके क्षेत्र में भीषण बाढ़ के कारण मची तबाही के बारे में बताते हुए और राहत कार्यों की अपर्याप्तता की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर तुरंत कदम उठाने का अनुरोध कीजिए।

प्रश्न-9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (4 x 5 = 20)

क. कबीर धार्मिक पाखंडियों का पर्दाफाश किस तरह करते हैं? पाठ के आधार पर समझाइए।

ख. "मीरा स्त्री चेतना एवं संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने पुरुषसत्ता द्वारा बनाए गए उन तमाम नियमों, मर्यादाओं एवं बन्धनों को नकार दिया, जो स्त्री की आजादी एवं सम्मान पर रोक लगाते है।" पाठ में उद्धरित मीरा के पदों के आधार पर समझाइए।

ग. कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं?

घ. 'मियाँ नसीरुद्दीन को नानबाइयों का मसीहा कहा गया है।' यहाँ 'मसीहा' शब्द का तात्पर्य समझाते हुए, उनके नानबाइयों के मसीहा कहने के औचित्य पर प्रकाश डालिए।

ङ. न्याय और नीति सब लक्ष्मी के खिलौने हैं, इन्हें वह जैसे चाहती हैं, नचाती हैं।' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।